

Roll No. ....

# ED-2431

## M. A. (Final) EXAMINATION, 2021

HISTORY

(Optional)

Paper Fourth (A)

(भारत का सांस्कृतिक इतिहास)

(प्रारम्भ से 1950 तक)

*Time : Three Hours*

*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. *One* question from each Unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई—1

(UNIT—1)

1. हड़प्पाकालीन संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main features of Harappan culture.

अथवा

(Or)

मौर्यकालीन सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

Describe the social and religious condition during Mauryan period.

P. T. O.

इकाई—2

(UNIT—2)

2. भारतीय कला एवं संस्कृति पर यूनानी प्रभावों की समीक्षा कीजिए।

Discuss the Greek influence on Indian Art and Culture.

अथवा

(Or)

गुप्तकालीन सांस्कृतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the cultural achievements during Gupta period.

इकाई—3

(UNIT—3)

3. भक्ति आंदोलन से आप क्या समझते हैं ? भारत में भक्ति आंदोलन के महत्व का उल्लेख कीजिए।

What do you mean by Bhakti Movement ? Describe the importance of Bhakti movement in India.

अथवा

(Or)

भारत में सांस्कृतिक एकता की स्थापना में अकबर के योगदान को रेखांकित कीजिए।

Underline the contribution of Akbar in establishment cultural unity in India.

इकाई—4

(UNIT—4)

4. शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में ईसाई मिशनरियों के योगदान की विवेचना कीजिए।

Discuss the contribution of Christian missionaries in the field of education and health.

अथवा

(Or)

भारतीय संस्कृति के विकास में प्राच्यवाद के योगदान की विवेचना कीजिए।

Discuss the contribution of the orientalism in the development of Indian culture.

इकाई—5

(UNIT—5)

5. नारी उत्थान में ब्रह्मसामज ओर राजा राम मोहन राय के योगदान की समीक्षा कीजिए।

Discuss the contribution of Brahmo Samaj and Raja Ram Mohan Roy towards the improvement of women.

अथवा

(Or)

मुस्लिम समाज सुधार की दिशा में सर सैय्यद अहमद खँ की उपलब्धियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the achievements of Sir Sayyad Ahamad Khan towards the reforms in the Muslim society.